UFO
CINE MEDIA NETWORK

Publication: Navbharat Times
Date: 30/05/2020

NBT
नवभारत टाइम्स

दर्शकों पर नहीं पड़ेगा सिनेमा में सुरक्षा इंतजामों का बोझ

'टिकटों के नहीं बढ़ेंगे दाम, लेकिन आपकी सुरक्षा के होंगे पूरे इंतजाम'

Prashant.Jain@timesgroup.com

हाल ही में आए सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी से ज्यादा सिनेमाप्रेमी सिनेमाघरों में वापसी करने को तैयार हैं। लेकिन साथ ही वे यह भी चाहते हैं कि सिनेमाघर वायरस से सुरक्षा के पूरे इंतजाम करें, लेकिन टिकटों के दाम ना बढ़ाएं। हमने सिनेमा इंडस्ट्री के जानकारों से जाना कि ऐसा कैसे हो सकता है :

हाल ही में एक सिनेमा इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी द्वारा कराए गए सर्वे में यह पता लगा है कि 80 फीसदी से ज्यादा सिनेमा के चाहनेवाले सिनेमा को बेहद मिस कर रहे हैं। यही नहीं, अगर जल्द सिनेमाघर खुल जाएं, तो वे दो-तीन हफ्तों में सिनेमाघरों में वापसी को भी तैयार हैं। खास बात यह है कि सर्वे के मुताबिक अपने चहेते सिनेमाघरों में वापसी के लिए दर्शकों को बड़ी फिल्मों का इंतजार भी नहीं है। वे तो बस सिनेमाघरों का एक्सपीरियंस करना चाहते हैं। इसके लिए वे छोटे बजट की फिल्मों को देखने के लिए भी सिनेमाघर आने को तैयार हैं। हालांकि इसके बदले वे सिनेमाघरवालों से इतना जरूर चाहते हैं कि वे टिकटों के दाम ना बढ़ाएं और साथ ही दर्शकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा के सारे इंतजाम भी करें। हमने सिनेमा इंडस्ट्री के तमाम जानकारों से इस बारे में बातचीत की कि वे सिनेमाघर खोलने के लिए किस तरह तैयारी कर रहे हैं। साथ ही, वे बिना टिकटों के दाम बढ़ाए सुरक्षा इंतजामों को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर कैसे खरे उतरेंगे। चर्चा तो इस बात की भी है कि दोबारा सिनेमा खुलने पर शुरुआत में सिनेमावाले दर्शकों को सिनेमा में लाने के लिए कुछ लुभावने ऑफर भी दे सकते हैं।

एक जैसे होंगे सुरक्षा इंतजाम

जानकारों का मानना है कि यूं तो देशभर के सिनेमावाले अपने-अपने राज्यों में सरकारों से सिनेमाघर खोलने की इजाजत मांग रहे हैं, लेकिन नई फिल्में तभी रिलीज होंगी, जबकि देशभर के सिनेमाघर पूरे सुरक्षा इंतजामों के साथ खुलेंगे। बेशक अभी विदेशों में बहुत ज्यादा सिनेमाघर नहीं खुले हैं। ऐसे में, निर्माताओं को तभी कमाई होगी, जबकि देश की सभी साढ़े नौ हजार स्क्रीन ओपन होंगी। इसलिए लिए देशभर के साढ़े पांच हजार से ज्यादा स्क्रीन पर फिल्में दिखाने वाली कंपनी यूएफओ मूवीज ने अपनी ओर से सभी सिनेमावालों को एकजुट करने की पहल की है। इस बारे में बात करने पर यूएफओ मूवीज के जेएमडी कपिल अग्रवाल ने बताया, 'अब हर कोई सिनेमाघर जाना चाहता है, क्योंकि लोग घर में ओटीटी और टीवी देखकर परेशान हो गए हैं। लेकिन जब तक कोरोना वायरस का असर खत्म नहीं हो जाता या कोई वैक्सीन नहीं मिल जाती तब तक लोगों में डर बना रहेगा। इस डर को निकालने के लिए सिनेमा इंडस्ट्री वाले कोशिश में लगे हुए हैं। इसके लिए हम सिंगल स्क्रीन से लेकर मल्टीप्लैक्स तक को साथ लेकर काम कर रहे हैं। सुरक्षा इंतजामों में हम दर्शकों का बॉडी टेंपरेचर नापने से लेकर, हैंड सैनिटाइजेशन, अलग-अलग फिल्मों का इंटरवल अलग टाइम पर करने और ऑडियंस को जागरुक करने के लिए भी एक फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। दर्शकों को सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर जागरूक करना, मास्क देना, दरवाजे को बार-बार हाथ न लगाने के लिए प्रेरित करना, जैसे कई विषयों पर दर्शकों को जागरुक करने के लिए पूरी फिल्म इंडस्ट्री मिलकर काम कर रही है।'

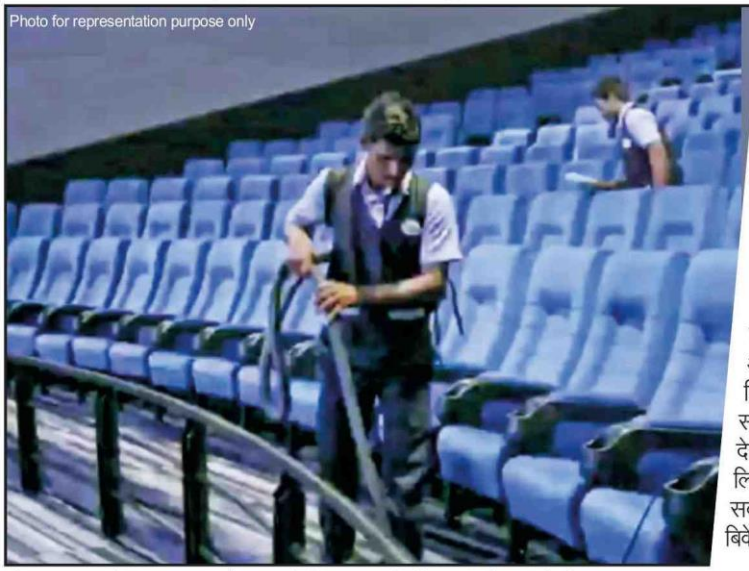
Photo for representation purpose only

'नहीं पड़ेगा सिनेमाघरों पर बोझ'

सिनेमाघरों की सुरक्षा को लेकर राजधानी स्थित डिलाइट सिनेमा के सीईओ राजकुमार मेहरोत्रा कहते हैं कि आने वाले दिनों दर्शकों के लिए वायरस से सुरक्षा सबसे बड़ी जरूरत होने वाली है। बकौल मेहरोत्रा, 'मुझे लगता है कि सरकार की ओर से दर्शकों की सुरक्षा को लेकर कोई गाइडलाइन आएगी। लेकिन उससे पहले हम सिनेमावाले भी अपनी ओर से दर्शकों को भरोसा दिलाने के लिए गाइडलाइन तैयार कर रहे हैं। इनमें सैनिटाइजेशन गेट लगाना भी शामिल है, तो हम सिनेमाघर को हर शो के बाद सैनिटाइज भी करेंगे। इससे दो शोज के बीच टाइमिंग बढ़ जाएगी।' वहीं कपिल कहते हैं, 'छोटे सिनेमा के लिए ऐसा करना मुश्किल न हो उसकी जिम्मेदारी हमने अपने पास ले ली है। हम पूरे देश के सिनेमा ऑपरेटर को सेफ्टी से जुड़ी ट्रेनिंग देंगे। हम ऐसी स्कीम बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें किसी सिनेमा का सुरक्षा इंतजामों में कोई अलग से खर्च ना हो और सब कुछ सेल्फ फाइनेंस हो जाए। वरना सिनेमावाले भी बढ़ा हुआ खर्च दर्शकों पर ही डालेंगे। सिनेमाघरों को रोजाना सैनिटाइज करने के लिए हम सैनिटाइजर बनाने वाली कंपनियों के संपर्क में हैं, जो कि सिनेमाघर में विज्ञापन के बदले सैनिटाइजेशन का खर्च उठाएंगी।'

घटेगा नहीं बढ़ेगा फिल्मों का रेवेन्यू!

सिनेमा इंडस्ट्री में तमाम लोगों को चिंता सता रही है कि कोरोना की वजह से सिनेमा खुलने पर सिनेमाघरों का रेवेन्यू कम हो जाएगा। लेकिन कपिल इसे लेकर भी पॉजिटिव हैं। वह कहते हैं, 'आजकल तमाम लोग वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं, तो किसी को क्या फर्क पड़ता है कि वह फिल्म शनिवार को देखे या फिर गुरुवार को। ऐसे ही सब धीरे-धीरे अडजस्ट हो जाएगा। आजकल सब कुछ डिजिटल हो गया है, तो लोगों के पास समय ही समय है। ऐसे में, वे किसी भी टाइम टीवी या फिल्म देख सकते हैं। अब वीकेंड की समस्या सिनेमा के लिए खत्म हो जाएगी। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि लॉकडाउन के बाद सिनेमा के टिकट कम बिकेंगे, हो सकता है कि टिकटों की बिक्री बढ़ जाए।'